

2020 तक देश में सबसे ज्यादा होगी बिजनेस एनालिस्ट की संख्या

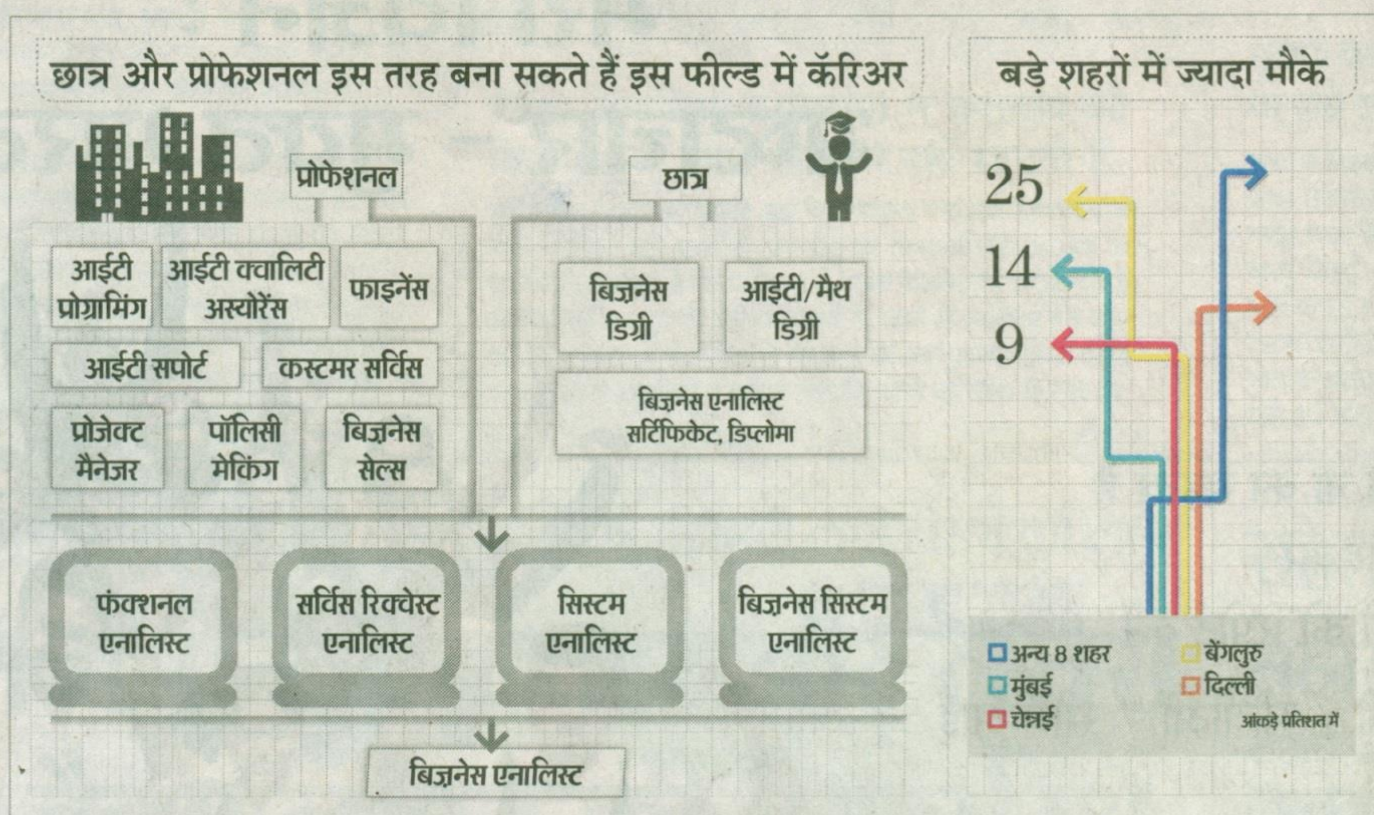
डेटा का विश्लेषण कर बिजनेस के लिए जरूरी जानकारी निकालना बिजनेस एनालिस्ट का काम होता है। इस फील्ड में

मैथ्स, इंजीनियरिंग और बिजनेस बैकग्राउंड वाले छात्र प्रवेश ले सकते हैं। अनुभवी प्रोफेशनल भी इसमें कैरियर बना सकते हैं।

तकनीक में नए-नए बदलाव और सुधार बिजनेस को बेहतर बनाने में तो मदद करते ही हैं, साथ ही काम के तरीकों को आसान भी बनाते हैं। कुछ वर्ष पहले तक किसी भी बिजनेस में भविष्य की संभावनाओं के बारे में पता लगाने या ग्राहकों की पसंद समझने के लिए काफी ग्राउंड रिसर्च करनी होती थी। इसके बावजूद किसी एक निर्णय पर पहुंचने के लिए कंपनियों को काफी मशक्कत करनी पड़ती थी। तकनीक ने बिजनेस की इस समस्या को काफी हद तक सरल बनाया है। डिजिटल डेटा, चाहे फिर वो ग्राहकों की खरीदारी के ट्रेंड को दर्शाता हो या भौगोलिक परिस्थितियों के अनुसार किसी उत्पाद की मांग को, यह कंपनियों के लिए ग्रोथ के सबसे बड़े हथियार के रूप में उभरकर आया है। कॉर्पोरेट कंपनियों के लिए इस डेटा का अध्ययन करने वाले और इससे भविष्य में बिजनेस के लिए बेहतर रास्ते सुझाने वाले प्रोफेशनल बिजनेस एनालिस्ट कहलाते हैं।

एक रिपोर्ट के अनुसार फिलहाल भारत में 12 लाख बिजनेस एनालिस्ट हैं, जिसमें से 90 फीसदी सिर्फ 12 शहरों में हैं। बिजनेस एनालिस्ट की संख्या के मामले में भारत दुनिया में दूसरे स्थान है और 2020 तक इसमें भारत शीर्ष स्थान पर होगा। वहीं देश में सबसे ज्यादा बिजनेस एनालिस्ट बेंगलुरु, मुंबई और दिल्ली में हैं।

मैथ्स, इंजीनियरिंग और बिजनेस बैकग्राउंड वाले ले सकते हैं प्रवेश
ये प्रोफेशनल रियल टाइम एनालिसिस से कंपनियों को निर्णय लेने में मदद करते हैं। यही एक बड़ा कारण है कि इसमें कैरियर की संभावनाएं बढ़ी हैं और यह युवाओं के लिए अच्छा विकल्प हो सकता है। मैथ्स या इंजीनियरिंग के बैकग्राउंड वाले छात्र इसमें कैरियर की शुरुआत कर सकते हैं। अच्छी एनालिटिकल और कम्युनिकेशन स्किल ग्रोथ में मददगार हो सकती है। हालांकि एंटी



लेवल पर प्रोफेशनल को बिजनेस सिस्टम एनालिस्ट जैसे पदों पर काम करना होता है। इसमें अनुभव के बाद बिजनेस एनालिस्ट बन सकते हैं। बिजनेस बैकग्राउंड वाले छात्रों भी इसमें कैरियर बना सकते हैं। एमबीए करने के बाद ऑनलाइन कोर्सेस के माध्यम से खुद को अपग्रेड कर सकते हैं। बिजनेस एनालिटिक्स में कैरियर के अवसर वर्किंग प्रोफेशनल्स के पास भी होते हैं। आईटी, मार्केटिंग या मैनेजमेंट क्षेत्र में काम कर रहे प्रोफेशनल स्किल अपग्रेड करने के लिए विभिन्न सर्टिफिकेट कोर्स या ऑनलाइन कोर्स की मदद ले सकते हैं।

बिजनेस इंटेलिजेंस टूल की जानकारी जरूरी

अच्छी एनालिटिकल और स्टैटिस्टिकल स्किल के अलावा भी इसमें अन्य स्किल की जरूरत

होती है। बिजनेस एनालिस्ट को एसएसए, आर, एसपीएस, एसक्यूएल और हाइव की जानकारी होनी चाहिए। बिजनेस इंटेलिजेंस टूल जैसे क्लिक, टैबल्यू, स्पोर्टफायर आदि में काम करने का अनुभव होना चाहिए। हालांकि विभिन्न संस्थानों की जरूरत के अनुसार यह अलग हो सकती है।

विभिन्न इंडस्ट्री में होते हैं काम करने के अवसर

बिजनेस एनालिटिक्स का कैरियर किसी एक क्षेत्र तक सीमित नहीं है। किसी एक क्षेत्र में शुरुआती अनुभवों के बाद भी प्रोफेशनल किसी अन्य क्षेत्र में जॉब कर सकते हैं। इस क्षेत्र में जॉब के सबसे ज्यादा मौके ई-कॉमर्स, ऑटोमोटिव, बैंकिंग, एजुकेशन, हॉस्पिटैलिटी, रिटेल, टेलीकॉम और एंटरटेनमेंट जैसी

इंडस्ट्रीज में होते हैं। हालांकि अभी भी बिजनेस एनालिस्ट के लिए कैरियर की अधिकांश संभावनाएं मेट्रो सिटीज में ही हैं। लेकिन आने वाले समय में मध्यम स्तर के शहरों में भी इनके लिए जॉब के अवसर बढ़ेंगे।

6-8 लाख रुपए सालाना का औसत पैकेज

बिजनेस में बढ़ती प्रतिस्पर्धा के कारण बिजनेस एनालिटिक्स को बढ़ावा मिला है। ऐसे में इसमें सैलरी पैकेज भी अच्छा मिलने की संभावना होती है। बिजनेस एनालिस्ट को औसतन 6 से 8 लाख रुपए सालाना का पैकेज मिलता है। सीनियर बिजनेस एनालिस्ट का पैकेज से 12 लाख रुपए सालाना तक का हो सकता है। वहीं बड़े कॉर्पोरेट हाउसेस में सैलरी कराड़ों में होती है।